DB14-2-2-HI

संसार आपके विश्वास के बारे में जो सवाल पूछेगा - प्रोग्राम 2

आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, गिनती बताती है कि लगभग 70 प्रतिशत जवान लोग, जो हाय स्कुल में नियमित रूप में चर्च जाते थे, वो दूर होते हैं, और मसीही विश्वास से हट जाते हैं, जब वो संसार के कॉलेज या यूनिवर्सिटी में जाते हैं/ वो उस विश्वास को क्यों छोड़ देते हैं जिस में वो बड़े थे/ जैसे ही वो यूनिवर्सिटी में जाते हैं तो तुरंत ही संडे स्कुल को भूल जाते हैं, संसार के प्रोफेसर उनके विश्वास को चुनौती देते हैं कि कैसे मसीहियत शुरू हुई थी, क्या सच में यीशु था, क्या हम विश्वास कर सकते हैं कि वो मुर्दों में से जी उठा, हमें बाइबल कहाँ से मिली? और हमें वहां जो जानकारी मिलती है, क्या हम उस पर सच में विश्वास कर सकते हैं?

32 प्रतिशत विद्यार्थियों ने कहा, उन्होंने अपना विश्वास पीछे छोड़ दिया बुद्धिमत्ता से दोष निकलने या संदेह के कारण, उनका विश्वास उनके लिए अब कोई अर्थ नही रख सकता था/ या उन्हें बहुत से सवालों का जवाब नही मिला/

किशोर अवस्था के 63 प्रतिशत विद्यार्थियों ने कहा, कि वो विश्वास नही करते हैं कि यीशु एक सच्चे परमेश्वर का पुत्र है/

51 प्रतिशत लोगों ने कहा, कि वो विश्वास नही करते हैं कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है/

68 प्रतिशत लोगों ने कहा, वो विश्वास नही करते हैं कि पवित्र आत्मा सच में एक व्यक्ति है/

और केवल 33 प्रतिशत ने कहा, कि चर्च उनके जीवन में भूमिका निभाएगा जब वो घर छोड़कर जाएगे/

मैं विश्वास करता हूँ कि ये फेर सकते हैं/ मैं अपने पहले दिन को याद करता हूँ जब मैं संसार की यूनिवर्सिटी में गया था/ जहाँ मैं जो भी विश्वास करता था उसे चुनौती मिली, इसलिए हमारी इस नई टेलीविजन सीरिज का नाम है, सवाल जो संसार आपके विश्वास के बारे में पूछता है, और ये सीरिज केवल विद्यार्थियों के लिए नही है/ लेकिन हर मसीही व्यस्क के लिए है जो अविश्वासी लोगों के साथ काम करते हैं/

आज मेरे मेहमान हैं, जो इस चर्चा में हमारी अगुवाई करेगे, ये हैं डॉक्टर डेरेल बॉक/ हमारे संसार में यीशु के बारे में मुख्य विद्वान्/ और संसार के सबसे बड़े अधिकारी लूका के सुसमाचार और प्रेरितों के काम पर/ ये सीनियर रिसर्च प्रोफेसर हैं, नए नियम के अध्यन पर, डेलस थियोलोजिक्ल सेमनरी में, इन्होने 30 से भी ज्यादा किताबें लिखी हैं/ और ये आए हैं, ए बी सी, सी एन एन, फॉक्स और डिस्कवरी चैनल पर/ मैं आपको न्योता देता हूँ कि हमारे साथ जुड़ जाए, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

***

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः प्रोग्राम में स्वागत है, हम चर्चा कर रहे हैं कि आपके बेटे और बेटी क्या सुन रहे हैं, जब आप उन्हें यूनिवर्सिटी या कॉलेज में भेजते हैं, संसार के यूनिवर्सिटी आया कॉलेज में, वो परमेश्वर के बारे में क्या सुनते हैं, यीशु के बारे में क्या सुनते हैं, वो क्या सुनते हैं कि बाइबल हम तक कैसे पहुंची? आपको ये जानना बहुत जरूरी है, उन्हें इन सवालों का जवाब देना आना चाहिए जिस पर हम चर्चा कर रहे हैं/ नही तो वो अपना विश्वास खो सकते हैं/

और एक सवाल हो उठता है, कि बाइबल हम तक कैसे आई? ये वचन क्या है? और यहाँ तक कि बात कि आप वापस जाकर कहते हैं, देखिए यहाँ यीशु है, और यहाँ पुराना नियम है, और यीशु और यहूदी लोगों सोचा याने पुराने नियम का कैनन हैं, पुराने नियम की किताबें प्रेरितों के पत्र और उनकी किताबें और कब पहले विश्वासियों ने, यीशु के बाद, सोचने लगे, जानते हैं क्या, पौलुस की पत्री, पतरस का पत्र, युहन्ना की किताब, लूका, ये तो वचन के तुल्य है, पुराने नियम के वचन के साथ/ अब दोस्तों यही पर, दोष निकालनेवाले विद्वान्, यूनिवर्सिटी प्रोफेसर, भर देते हैं हर तरह के विचार से/ कि यीशु के बाद क्या हुआ/ और आपको इस जानकारी के साथ क्या करना चाहिए/ जिसे आप ने नियम की 27 किताबें कहते हैं, डेरेल मुझे इन में से कुछ बताइए/ वो विचार जो दोष निकालनेवाले बताते हैं/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, सामान्य रूप में जो कैनन के संबंध में चर्चा की गई है, वो यूनिवर्सिटी कैम्पस में राजनीति के कारण हुआ है, जहाँ कोई समूह, कुछ खास किताबों को चुनते हैं, और अपनी थियोलोजी दर्शाते हैं, और चर्च में उनकी विंग के बारे में है, याद है कि दोष निकालनेवाले विद्वानों के लिए वो तो शुरू की सदी में दूसरी तरह का विश्वास देने की कोशीश कर रहे थे/ और वो इस वचन को एक किले जैसे बनाते हैं, कि उनकी ऑर्थोडॉक्सी को सपोर्ट कर सके/

और ये क्रिया तो सामान्य रूप में अरेनियास के कारण ही हुई है, दूसरी सदी के अंत में, हालाँकि ज्यादा विख्यात बात है बहुत से लोग जानते होगे कि डैन ब्राउन ने कुछ बनाया जो कि इस क्रीड के परिणाम में आया, जो चौथी और पांचवी सदी के अंत में थी, तो अवश्य ही, बाद की क्रिया में, जैसे कि ये तो राजनैतिक रूप में बनाया अजेंडा था कि पर्याय को खत्म कर दे, या इस तरह की बातों को याने ये बड़ी राजनैतिक लड़ाई थी/

और वो क्या दर्शाते हैं, याद है, हम ने चर्चा की थी, यहाँ इतिहास की ये बातें जो दिखाई गई हैं, और फिर इसे कुछ मोड़ दिया गया है, लेकिन बात तो ये है, हम नही देखते कि सुसमाचार के लेखक, एक दूसरे को सीधा दूर करते हैं, हम नही देखते हैं कि दूसरी सदी के शुरू में नया नियम एक विचार धारा के रूप में कहा गया है/ हम बस यही पाते हैं, पौलुस ने ये कहा, या सुसमाचार ने ये कहा है, और किसी भी काम में देखिए दूसरी सदी में, शायद आप देखेगे, एक या दो सुसमाचार, या शायद आप देखेगे, पौलुस की एक या दो पत्रियाँ, उस समय ऐसा कुछ नही था कि सब मिलाकर बाइबल के जैसे 27 किताबों को जोड़ा गया हो, जो उस समय उपलब्ध हो/ तो

मैं मजाक में कहता हूँ, हम चर्च में थियोलोजी कैसे सिखाते हैं, बाइबल के चर्च में इसके पहले कि चर्च में बाइबल हो/ वो तो ऐसी परिस्थिति में थे/

तो देखिए क्या होता है, वो बहस करते हैं कि ये राजनैतिक क्रिया है/ तो सवाल ये होता है, वचन के बारे में सचेतता कैसे आती है, और वो क्रिया क्या थी जिससे ये किताबें उपर आने लगी, हम यही देखते हैं, ये पत्र कुछ चर्च में जैसे के वैसे पढ़े गए और दिए गए, पौलुस बताता है कि उसकी कुछ पत्रियों को चर्च में पढ़ा गया था, पौलुस ने जो लिखा था उसके लिए आदर था,पौलुस कुछ लोगों के बारे में शाप भी कहता है क्योंकि उसने उन्हें अच्छी शिक्षा दी थी, जिस तरह का साहित्य वो लिख रहा था यदि उसकी और ध्यान नही दिया जाए याने इस तरह की बात/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः चलिए कुछ उदाहरण देते हैं, क्योंकि उदाहरण तो आएँगे, नए नियम के कुछ शब्द और किताबों से/ लेकिन मैं ये नही कह रहा हूँ कि परमेश्वर की प्रेरणा से लिखा गया ये वचन और केनन स्वर्ग से गिरा इसलिए कोई सवाल नही पूछना चाहिए, हम कह रहे हैं, कि ये, ये जानकारी, ये शुरू की जानकारी हमें बताईये कि उस समय के विश्वासियों ने उस समय इन बातों के बारे में क्या सोचा, उनके पास जो था उसके लिए क्या विश्वास किया, तो हम इसे पीछे जाकर देख रहे हैं, उनके रेकोड्र्स कि बस ये देखे कि उन्होंने क्या कहा, ठीक है, चलिए देखते हैं कि उन्होंने क्या कहा, देखते हैं, पहला पतरस, अध्याय 1, वचन 23 से 25 तक, पतरस ये कहता है/ कि तुम विश्वासियों से कहता है, क्योंकि तुम ने नाशमान नही परन्तु अविनाशी बीज से परमेश्वर के जीवते और सदा ठहरनेवाले वचन के द्वारा नया जन्म पाया है/ क्योंकि हर एक प्राणी घास की नाई है और उसकी सारी शोभा घास के फूल की नाई है, घास सूख जाती है और फूल झड़ जाता है, परन्तु प्रभु का वचन युगानयुग स्थिर रहेगा, और फिर वो आगे कहता है कि यह ही सुसमाचार का वचन है जो तुम्हें सुनाया गया था/ इसके बारे में बताइए/

डॉक्टर डेरेल बॉकः ओ , ये बहुत महत्वपूर्ण है, जी जानते हैं मानो मैं उपर नीचे कूदकर कहना चाहता हूँ, कि ये कितना मत्वपूर्ण है/ हम इसे देख रहे हैं, याद रखे मुखाग्र की परंपरा ये संदेश बताती है, शब्दों में, सुसमाचार के बारे में जो संदेश प्रचार किया गया है, उसे परमेश्वर का वचन कहा गया है/ हम इस तरह से सोचते है कि ये परमेश्वर का वचन है जो बाइबल में लिखे गए हैं, लेकिन यहाँ परमेश्वर का वचन सुसमाचार का संदेश है/ जो परमेश्वर से आया है, ये आलौकिक संदेश है/ और ये सिखाया और प्रचार किया गया/ पतरस ये कहता है, मैं सोचता हूँ कि वचन बताता है कि दूसरे लेखकों ने भी यही बात कही/

तो हमारे पास ये मुखाग्र गवाहों की कतार है, ये तो प्रेरित के संदेश और प्रेरित की गवाही से आती है/ तो फिर हम नए नियम में जो पाते हैं, जैसे कि ये गवाह मरकर खत्म होने लगे, तो वो कहते हुए और प्रचार नही कर पाए, वो गवाह हो गए और उनकी गवाही वचनों में लिखी गई, वही तो नया नियम और परमेश्वर का वचन हो जाता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः ये तो बहुत ही चकित करनेवाला विचार है, कि इस तरह से सोचे की पौलुस और पतरस और युहन्ना ने कहा, और ये मजबूत था, ये वचन था, लेकिन देखिए हमें क्या बताया गया है,

डॉक्टर डेरेल बॉकः वचन दिए जाने से पहले का वचन/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः बिलकुल और देखिए ये क्या कहता है, प्रेरित 18:11 में, पौलुस के बारे में कहता है, सो वह उन में परमेश्वर का वचन सुनते हुए डेढ़ वर्ष तक रहा/ क्या सिखा रहा था/ परमेश्वर का वचन, उनमे बता रहा था, और फिर प्रेरित 13, वचन 46 में, ये कहता है कि पौलुस और बरनबास ने निडर होकर कहा कि अवश्य था कि परमेश्वर का वचन पहिले तुम्हें सुनाया जाता, अब, फिर से इसे बताईए/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, फिर से यहाँ लूका की गवाही है, जिन शब्दों को पौलुस और बरनबास उपयोग करते हैं/ सच में कुछ पल में एक वचन देखेगे जहाँ स्वयं पौलुस सीधा खुद ये कहता है, तो हम केवल ये प्रभु का मुखाग्र वचन नही ले रहे हैं, जो आगे जाकर वचनों में लिखा गया है, लेकिन साथ ही हम इस विचार में शुरू के चर्च में बहुत से विकारों को भी देख रहे हैं/ हम ने पतरस से देखा, यहाँ लूका कह रहा है, हम पौलुस के बारे में कुछ पल में चर्चा करेगे, हम युहन्ना से गवाही देखेगे, हम तो यही कर रहे हैं, हम ये सच्चाई बना रहे हैं, ये तो ऐसे है, हम ने चर्च में मुख्य थियोलोजी के बारे में कहा, ये तो इस मुख्य थियोलोजी में मुख्य सिद्धान्त है/ जिसमे परमेश्वर का वचन दिया जाता है, और सुसमाचार का संदेश दे दिया गया है, यही वो मुख्य थियोलोजी है जो इसे ले चलती है/ और नया नियम क्या है ये गवाह है इस मुख्य थियोलोजी का/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, चलिए प्रेरित युहन्ना के बारे में देखते है, प्रकाशितवाक्य की किताब में, सब ने कम से कम प्रकाशितवाक्य के शुरू के कुछ अध्याय पढ़े होगे, यहाँ पर अध्याय 1 में, युहन्ना यही कहता है, मैं युहन्ना जो तुम्हारा भाई और यीशु के क्लेश और राज्य और धीरज में तुम्हारा सहभागी हूँ परमेश्वर के वचन और यीशु की गवाही के कारण पतमुस नाम टापू में था/ क्यों? जी/

डॉक्टर डेरेल बॉकः उसी सुसमाचार प्रचार के लिए बंदी बनाया गया था, वो सामान्य रूप में यही कह रहा था, ये संदेश था जो परमेश्वर के प्रोग्राम और योजना को दर्शाता है कि मनुष्य जाती को छुडाए/ और वो जेल में था, यदि सच कहे तो,बंदी था,और प्रकाशितवाक्य की किताब लिख रहा था, पतमौस पर क्योंकि वो ये संदेश प्रचार कर रहा था/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः डेरेल ये प्रेरित पौलुस की और से दिलचस्प है/ 1 तीमुथियुस 5 में कहता है, क्योंकि पवित्रशास्त्र कहता है, कि दावनेवाले बैल का मुँह न बांधना, ये पुराने नियम का वचन है/ और मजदूर अपनी मजदूरी का हकदार है/ ये तो लूका से कोट है, लूका के सुसमाचार से/

डॉक्टर डेरेल बॉकः या कम से कम यीशु यहाँ परंपरा से सिखा रहा था, दोनों में से एक/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, लेकिन वो यही करता है, जी आप बताइए कि वो यहाँ क्या करता है?

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, देखिए वो क्या कर रहा है, वो पुराने नियम के वचन के तुल्य यीशु की शिक्षा को ला रहा है/ यीशु की शिक्षा जैसे हम लूका में देखते हैं, ये तो इन दोनों को एक साथ रखना है, अब फिर से, चेतावनी की बात आती है, आप ये वचन दिखाए कि शुरू का समय कैसे पौलुस से जुड़ा था, तो आप यही प्रतिउत्तर पाएंगे कि पौलुस ने पहला तीमुथियुस नही लिखा, दोष निकालनेवाले इसी तरह से कहते हैं, और आप दूसरे चर्चा में होते हैं, लेकिन मैं कहना चाहता हूँ, चलिए बहस के लिए मान लेते हैं कि पौलुस ने पहला तीमुथियुस नही लिखा, फिर भी हमारे पास पहली सदी की गवाही है, इस सच्चाई के लिए कि पुराना और नए नियम का वचन, पुराने नियम का वचन और परमेश्वर का वचन, यीशु जो वचन है, उन्हें एक के बाजू एक रखा गया है, और एक दूसरे के तुल्य जाना गया है, और उन्हें वचन कहा गया है/ कुछ है जो लिखा गया है, अधिकार के रूप में, जो चर्च में और चर्च की परंपरा में काम करता है, जो इस वचन में दूसरों को दिया गया है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, ठीक है, मतलब दोस्तों सुनिए कि यहाँ क्या हो रहा है, इन शुरू के वचनों में, इन लोगों के जो चित्र में है, प्रेरित और लोग जो कह रहे थे, हम इसे वचन मानते हैं, हम कह रहे हैं, कि य परमेश्वर का वचन है/ ये वचन जो नए नियम में है/ ये तो हमारे पास के शुरू के स्रोत हैं, जो हमें बताते हैं कि शुरू के विश्वासियों ने खुद के लिए क्या विश्वास किया/ और उन्होंने क्या कहा? इसके बारे में सोचिए, तो, डेरेल मैं चाहता हूँ कि इस वचन को ले, पौलुस का गलतियों की पत्री में, ये गलतियों में कैसे आया?

डॉक्टर डेरेल बॉकः गलतियों तो देखिए, गलतियों इस पर आधारित है कि इसका कौनसा भाग है, जी ये सन 50 में है, सन 50 के शुरू में है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, याने हम यीशु के 20 साल बाद चर्चा की, और पौलुस ये वाक्य कहता है, गलतियों को लोगों के डांटते हुए, मुझे आश्चर्य होता है, पौलुस कहता है कि जिसने तुम्हे मसीह के अनुग्रह से बुलाया उस से तुम इतनी जल्दी फिर कर और ही प्रकार के सुसमाचार की ओर फिरने लगे/ परन्तु दूसरा सुसमाचार है ही नही पर बात यह है, कि कितने ऐसे हैं जो तुम्हें घबरा देते और मसीह के सुसमाचार को बिगाड़ना चाहते हैं/ और पौलुस कहता है, परन्तु यदि हम या स्वर्ग का कोई दूत भी उस सुसमाचार को छोड़ जो हम ने तुम को सुनाया है, कोई और सुसमाचार तुम्हें सुनाए तो श्रापित है/ यदि इसे पहली बार नही समझे तो वो इसे फिर दोहराता है/ डेरेल, सुसमाचार के संदेश से इसका क्या अर्थ है?

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, पौलुस बहस कर रहा था कि जो सुसमाचार का संदेश वो ला रहा था, और जो सुसमाचार प्रेरित ला रहे थे, वो सुसमाचार है और वो नही बदलता, हम नए नियम में

ये देखते हैं कि थियोलोजी जो इस मुख्य भाग से बढती है, और अवश्य ही आप जो अलग लेखकों में देखते हैं, और जो दूसरी बातों पर ज़ोर देते हैं, और उन बातों को बढ़ते हैं, उस मुख्य सुसमाचार पर ही, लेकिन ये मुख्य सुसमाचार तो निश्चित है, इसलिए हम ने जो पहले किया उसकी और वापस जाना, इसलिए जब आप प्रभु भोज की मेज़ में जुड़ते हैं, और प्रभु की मृत्यु को उसके आने तक प्रचार करते हैं, यही पर आप बप्तिस्मा में जुड़ जाते हैं, धो कर शुद्ध होते और दिखाते हैं, कि जीवन का वरदान जो आत्मा के प्रयोजन में आता है, जो अनंतजीवन देता है, सुसमाचार तो यही है/

और ये यीशु मसीह के द्वारा आता है, केवल पाप के लिए मृत्यु से नही, पाप के लिए मृत्यु तो बस स्लेट को साफ करती है, कि अब परमेश्वर हमारे जीवन में आ सकता है, और प्रभाव डाल सके इस तरह से कि आप कौन हैं और उसके साथ भविष्य में जिस तरह से चलते हैं, याने हम जो देख रहे हैं, ये तो मुख्य थियोलोजी का बताया जाना है, वो कभी नही बदलती, अब उसका काम तो अनंत है क्योंकि सुसमाचार तो मजबूत है/ sलेकिन मुख्य थियोलोजी तो शुरू से ही है, और ये बदलती नही है, हालाँकि पीछे धकेलना हुआ जो पौलुस महसूस कर रहा था, यहाँ वो विरोधियों से व्यवहार कर रहा था, जो अलग तरह से सुसमाचार को बनाने की कोशीश कर रहे थे, वो कह रहा था कि यदि तुम मुझ से जुड़े हो, तुम प्रेरितों के समूह से जुड़े हो, जो यीशु के साथ चले और बात किए, यही सुसमाचार है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी गलातियों में वो उन्हें डांटता है, क्योंकि वो पहली बार उन्हें बताता है, कि वो उससे भटक रहे हैं, ठीक है/ वो उन्हें वापस लाता है/ वो इसे कुरिन्थियो की कलीसिया के साथ फिर करता है/ ठीक है/ और वो कहता है, 1 कुरिन्थियों 15 में, अब ये किताब न्यू स्टैंड पर सन 55 में थी, वो बता रहा है जो उसने सन 50 में प्रचार किया, तो अब, यीशु को जाकर 20 साल हो चुके थे/ हे भाइयों मैं तुम्हें व्ही सुसमाचार बताता हूँ जो पहले भी सुना चूका हूँ, जिसे तुम ने अंगीकार भी किया था, और जिस में तुम स्थिर भी हो/

डॉक्टर डेरेल बॉकः और फिर से वो ये बात बता रहा था, कि ये उसका व्यक्तिगत सुसमाचार नही था, ये वो सुसमाचार है जो वो लोगों को दे रहा था, जो परंपरा के रूप में पाया, वो इसे दुसरे प्रेरितों के साथ बांटता है, ये विचार की जी उठना आशा का केंद्र है, ये इस मुख्य थियोलीजी का भाग है, जिसका वो बचाव करता है अध्याय 15 में कुछ विवरण दिए गए हैं, और विचार ये है कि यीशु जिलाया गया, और परमेश्वर ने उसे प्रकट किया, दिखाया कि वो कौन है, पहला कुरिन्थियो के बाद के अध्याय में बताया कि कौन है, बताया कि दूसरा आदम है, उसे बदला जिसने सृष्टि को गडबडी में लाया था, और उसे फेर कर उन्हें उस गडबडी से बाहर आने का मौका दिया/ यही तो यीशु मसीह इस उद्धार में देता है, वो यही तो कहता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः ये कहते हूँ जानते हैं ये विश्वास की बात, ये सिधान्त में बदलाव, कि मसीह के बारे में कहानी बनाई गई, नही नही नही, यहाँ पर यहूदा है याकूब का भाई, यीशु का भाई, सामान्य रूप में, और यहूद केवल एक पन्ना लिखता है, वचन का, एक पत्र, और इस में

वो कहता है, हे प्रियों जब मैं तुम्हें उस उद्धार के विषय में लिखने का प्रयत्न कर रहा था, जिस में हम सब सहभागी हैं तो मैंने तुम्हे यह समझाना आवश्यक जाना कि उस विश्वास के लिए पूरा यन्त करो, फिर दिलचस्प बात लिखता है, जो पवित्र लोगों को एक ही बार में सौंपा गया है/ अब मैंने कुछ लोगों को ये कहते हुए सुना है, 65 में तो कुछ 80 में कहते हैं, 80 में विश्वास की बात बताई गई है, ये वहां है और वो अपेक्षा कर रहा है कि इसे बचाए/

डॉक्टर डेरेल बॉकः जी, मैं सोचता हूँ कि यहाँ जो हो रहा है उसका चित्र पाना बहुत बहुत महत्वपूर्ण है, उस ज्योति में जो हमारे पास नए नियम में है/ हम ये देख रहे हैं कि ये मुख्य थियोलोजी है, ये मुख्य थियोलोजी तो यीशु और उसके चेलों से आती है, यीशु ने जो सिखाया चेले उसके गवाह थे, ये वहां है और निश्चित है/ लेकिन हम नए नियम में जो देख रहे हैं, नए में लोग इस पर गौर कर रहे थे कि ये मुख्य भाग क्या है, ये कहाँ से आता है ये परमेश्वर के बारे में हमें क्या बताता है, ये उद्धार के बारे में हमें क्या बताता है, ये हमें यीशु के बारे में क्या बताता है, आत्मा के बारे में क्या बताता है, संसार के बारे में क्या बताता है, इस्राएल के बारे में क्या बताता है, भविष्य के बारे में क्या बताता है, हर तरह की बातें/

अब ये किरण हर दिशा में जा रही हैं, और हम नए नियम में ये देखते हैं, ये बात जिसे विद्वान् उन्नति कहते हैं, ये तो उस बढ़ोतरी पर काम करना है जो इस मुख्य भाग से निकलता है/ और हाँ कुछ लेखक इस गुण के बारे में कहते हैं, जो मुख्य भाग से है, तो कोई लेखक उस गुण के बारे में कहते हैं, जो मुख्य भाग से है, वो इसे अलग angle से देखते हैं, महान उदाहरण तो याकूब और पौलुस है, विश्वास और काम पर/ पौलुस सवाल में पूछता है, इसमें आने के लिए क्या लगता है, इसके लिए विश्वास लगता है, और याकूब पीछे मुडकर देखते हुए कहता है कि विश्वास कैसे दिखता है, उत्पादन के रूप में, वो एक दूसरे से असहमत नही हैं, वो इसे अलग समय में देख रहे हैं/

याने आप ये फर्क देखते हैं, देखिए मैं ये नही कहना चाहता है कि ये सब एक ही केलिए है या सब एक ही है, ये सब मोनोटोन है, नही इसमें गहराई है, और इस गहराई में हम उपयोग किए जाने में विविधता देखते हैं, जहाँ कुछ लेखक कुछ बातों पर ज़ोर देते हैं, तो दूसरे लेखक दूसरी बातों पर ज़ोर देते हैं, और आप इस तरह की उन्नति के बारे में चर्चा कर सकते हैं, जिसे आप नए नियम में देखते हैं, लेकिन ये सब इसी मुख्य भाग की और लेकर आते हैं/ इस हब में जिसमें से ये आता है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः जी, इसी के बारे में कहते हैं, मुख्य थियोलोजी, संतों को दी गई है,

डॉक्टर डेरेल बॉकः बिलकुल सही/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः और साथ ही वो ये भी बताता है जानते हैं, बाद में वचन बताता है, पर हे प्रियों तुम उन बातों को स्मरण रखो जो हमारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेरित पहले कह चुके

हैं/ तो यहाँ जानते हैं, प्रेरितों के आप अधिकार थे, उन्हें अधिकार दिया गया, जिसे वचन कहा गया है/?

डॉक्टर डेरेल बॉकः और नए नियम के साथ यही हो रहा था, प्रेरित मर रहे थे और उनके जीवित बचन वहां मुखाग्र रुप में नही थे, तो अब वो अपनी गवाही को शब्दों में लिखते हैं, तो हम देखते हैं कि मत्ती और युहन्ना प्रेरित के रूप में लिखकर ये बात बताते हैं, ये साहित्य उन से आता है, और मरकुस जो पतरस को दर्शाता है, और लूका बहुत तरीके से सारे चर्च को दर्शाता है, और इस तरह हमारा सुसमाचार आता है, और पत्रियों में हम देखते हैं जो लिखी गई हैं कि गवाही दे जो पौलुस प्रचार कर रहा है, हमारे पास पतरस के साहित्य है जो अवश्य है बहुत है करीबी प्रेरित के पास से आते हैं, युहन्ना का साहित्य उससे आता है, और हिबू तो हम नही जानते कि लेखक कौन है, लेकिन उसने जो कहा वो बहुत अच्छा है, और ये भी इस में है/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः सारांश बताइए इस प्रोग्राम का जो हमने किए हैं, हम विद्यार्थियों की मदत करना चाहते हैं, कि भरोसा महसूस करे उस जानकारी के बारे में, जो हमारे पास है, यीशु के बारे में, सुसमाचार के संदेश के बारे में, हमें वचन कैसे मिला, और जी उठने के बारे में/

डॉक्टर डेरेल बॉकः हम यही चर्चा कर रहे है कि मुख्य थियोलोजी जो शुरू से ही है, हम इसे शुरू के गवाहों में भी देखते हैं, सिद्धांतो में देखते, उनके गीतों में भी, विधियों में भी , इस दरार को पीछे ले जाते हैं, उस समय से जब ये लेख लिखे गए थे, और इस घटना के समय तक, ये एक दूसरे के संपर्क में थे, यीशु की सेवकाई और प्रेरितों का प्रचार, एक दूसरे के संपर्क में थे, हम यही कह रहे हैं, ये अद्भुत विवरण है, हाँ आप यहाँ पर जिस बात पर ज़ोर दिया गया उस में हम कुछ फर्क देते हैं, ये इसलिए है कि यीशु ने जो किया है उसका महत्व तो हर दिशा में बढ़ते जाता है, और उसमे हर तरह की गहराई है/

और ये भी कह रहा है कि मुख्य सुसमाचार के विचार को शुरू के चर्च ने परमेश्वर का वचन कहा, पहली सदी में, उन्होंने यही संदेश दिया और यही संदेश परमेश्वर की और से प्रकाशन था जिसने कहा आप परमेश्वर के साथ संबंध में वापस आ सकते हैं, क्योंकि यीशु मसीह के द्वारा वो क्षमा देता है, और वो देते है जो हम अपने लिए नही दे सकते हैं, केवल पापों की क्षमा ही नही, लेकिन योग्य बनाने के द्वारा पिता तक पहुंचना और वो जीवन जो हमें परमेश्वर की आत्मा के द्वारा देता है, जो सदा के लिए परमेश्वर के साथ हमें जोड़ता है, और हमें अनन्त जीवन देता है, ये अनंत जीवन केवल समय में नही है/ लेकिन ये उत्तमता में आनंत जीवन है, ये अनंत जीवन से आता है, और आप संगती में फिर से जुड़ सकते हैं, और सच में उस तरह से वापस आ सकते हैं जिसके लिए इसे बनाया था/ यही तो सच में सुसमाचार का मुख्य संदेश है, जिसे शुरू के चर्च ने परमेश्वर का वचन कहा/

डॉक्टर जॉन एन्करबर्गः दोस्तों चाहे आप 15 साल के हो, 25 साल के हो, 50 साल के हो, या 80 साल के हो, चाहे आप जीवन के किसी भी भाग में हो, सबूत बताते हैं कि यीशु दिखता है कि वो कौन हैं/ वो सच में मुर्दों में से जी उठा/ वो अब जीवित है, वो जगत का उद्धारकर्ता है वो आप

को बचाना चाहता है और आगे कुछ समय में आपको उसके बारे में सोचना होगा, और आपको निर्णय लेना होगा, कि क्या आप उसे अपना उद्धारकर्ता के रूप में न्योता देगे, क्या आप उससे कहेगे कि आपको बदल दे, आपके पापों को क्षमा करे, आपको निर्णय लेना होगा, आशा करता हूँ कि अभी निर्णय लिया है, और दोस्तों मैं चाहता हूँ कि आप बने रहे, कि आप समझ सके कि ये साहित्य खुद के लिए कैसे प्राप्त करे, तो बने रहे/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI